

जिस्ट्री सं. डी- 222



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44]

मई विल्सन, शनिवार, नवम्बर 2, 1974 (कार्तिक 11, 1896)

No. 44]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 2, 1974 (KARTIKA 11, 1896)

इस भाग में इन्हें पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस
NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किए गए हैं—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 28th February 1973:—

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject

—पूर्ण—
—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल साइन्स, विल्सन के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएँगी।
मांग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these Gazettes.

301GI/74

(917)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.

भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.

भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम

भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट

भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

पृष्ठ	विषय-सूची	पृष्ठ
917	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	3045
1709	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	375
—	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	6375
1197	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	771
—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	511
2713	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस पूरक संख्या 4— 26 अक्टूबर, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट 5 अक्टूबर, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आवादी के शहरों में जन्म तथा बढ़ी बीमारियों से दृष्टि मृत्यु-संबंधी आंकड़े	1371
—		1385

CONTENTS

PAGE	PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	3045
917	PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	375
1709	PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	6375
1197	PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	771
—	PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
—	PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	511
2713	PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	157
—		SUPPLEMENT No. 44 Weekly Epidemiological Reports for week ending 26th October 1974	1371
—		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 5th October 1974	1385

भाग I—खण्ड 1

(PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के संवालयों और उच्चतम सचिवालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आवेदनों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

मंत्रिमण्डल सचिवालय
कार्मिक प्रशासनिक सुधार विभाग
नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1974

नियम

मं. 6/35/74-के० मे०-I—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 1975 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नी जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं:—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (बी०) के मामान्य संवर्ग (सहायक) का ग्रेड IV,
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड IV (सहायक),
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड,
- (iv) संस्कृत सेनाएं मुख्यालय मित्रिल सेवा का महापक ग्रेड और
- (v) भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों और सम्बद्ध कार्यालयों में, जो भारतीय विदेश सेवा (बी०) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेनाएं मुख्यालय मित्रिल सेवा में सम्मिलित नहीं है, सहायकों के पद।

कोई भी उम्मीदवार उपरोक्त किसी भी एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता कर सकता है। वह इन में से जितनी सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाना चाहता है, उनका उल्लेख अपने आवेदन पत्र में कर सकता है।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों में अपेक्षा की जाती है कि जिन सेवाओं/पदों के लिए वे चाहते हैं कि उनके संबंध में विचार किया जाए उनका वरीयता क्रम से स्पष्टतः उल्लेख करें। उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में सेवाओं/पदों के लिए जिस वरीयता क्रम का मूल रूप से उल्लेख किया गया होगा उसमें रदोबदल के लिए किए गए किसी अनुरोध पर उस हालत में गौर नहीं किया जाएगा यदि ऐसा अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में एक दिसम्बर 1975 को या उसमें पूर्व नहीं पहुंच गया हो।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम्य II में निर्धारित ढंग से ली जायेगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. उम्मीदवार को या तो --

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) सिक्कम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (इ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा में पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (च) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका, कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर (ग), (घ), (इ) और (च) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पाकता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र हीना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को, जिसके लिए पाकता प्रमाणपत्र आवश्यक हो, भी परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और अनन्तिम रूप में उसे नियुक्त भी किया जा सकता है बायतें कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाणपत्र दे दिया जाए।

4. जो उम्मीदवार किसी अनुमूलित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो या पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का निवासी न हो या संघ राज्य क्षेत्र गोश्वा, दमन और दिव का निवासी न हो या पूर्वी अफ्रीका, कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) का प्रवासक न हो, उसे इस परीक्षा में अधिक से अधिक दो बार बैठने दिया जाएगा। यह प्रतिवंध वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

टिप्पणी-1:—यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो तो इस नियम के प्रयोग के लिए यह मान लिया जाएगा कि वह एक ही बार में उक्त परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सब सेवाओं/पदों के लिए बैठ चुका है।

टिप्पणी-2 :—यदि कोई उम्मीदवार बन्तुतः एक सही विषय या अधिक की परीक्षा में ही बैठा हो तो यह माना जाएगा कि वह प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ चुका है।

(5क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह आवश्यक है कि पहली जनवरी, 1975 को उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की तो हो चुकी हो किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु न हुई हो अर्थात् उम्मीदवार की जन्म दिन 2 जनवरी 1950 से पूर्व तथा 1 जनवरी 1955 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु-सीमा में निम्न-लिखित मामलों में ढील दी जा सकेगी :—

- (I) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (II) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद परन्तु 25 मार्च 1971 से पहले उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक अधिक तीन वर्ष,
- (III) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित आदिम जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान का सदभाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद परन्तु 25 मार्च 1971 से पहले उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (IV) यदि उम्मीदवार पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो और उसने किसी समय प्रांसीसी भाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (V) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सदभावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (VI) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और श्रीलंका से सदभावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (VII) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा या तंजानिया मंयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (VIII) यदि उम्मीदवार या भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून,

1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

- (IX) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित प्रादिम जाति का हो श्रीग्रन्थ से सदभावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (X) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा में मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों के अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (XI) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा में निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (XII) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र गोआ, दमन तथा दिव का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (XIII) वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा में निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

ऊपर की गई अवस्था को छोड़ कर निर्धारित आयु-सीमा

में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

6. उम्मीदवार के पास परिणिष्ठ 1 में दिए गए किसी विश्वविद्यालय की डिग्री होनी चाहिए अथवा परिणिष्ठ 1-क में उल्लिखित कोई अर्हता होनी चाहिए।

टिप्पणी-1 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ने किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बगते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई एसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके

आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी-2 :—ऐसे उम्मीदवार, जो अन्य सभी दूष्टियों से योग्य हों परन्तु जिन्होंने एसे विदेशी विद्यालयों से डिग्रीयाँ ली हों, जिन्हें परिशिष्ट-1 में शामिल नहीं किया गया है, भी आयोग को अपना आवेदन पत्र भेज सकते हैं, और आयोग चाहे तो उन्हें भी परीक्षा में बैठने को अनुमति दे सकता है।

7. ऐसा कोई व्यक्ति —

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह का करार किया हो जिसकी पत्नी/पति जीवित हों, अथवा,
- (ख) जिसने, अपनी पत्नी/पति के जीवित रहते किसी व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह का करार किया हो, सेवा में नियुक्ति के योग्य नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यदि इस बात में मन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और विवाह सूत के अन्य पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक नियमों के अन्तर्गत ऐसे विवाह को अनुमति दी जा सकती है, और ऐसी करने के दूसरे आधार भी हों, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम विवरण में छूट दे सकती है।

8. किसी भी ऐसे उम्मीदवार को, जो पहले में ही सरकारी सेवा में हो चाहे वह स्थायी अथवा अस्थायी पद पर हो या अनियत अथवा अस्थायी पर रखे कर्मचारियों को छोड़ कर, कार्य प्रभारित कर्मचारी के रूप में नियुक्त हो, परीक्षा में प्रवेश के लिए विभागाध्यक्ष की पूर्व अनुमति अवश्य लेनी होगी।

9. उम्मीदवार को मार्निक और शारीरिक दृष्टि में स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसा कोई शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिसमें वह सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक पालन न कर सके। यदि दूसरे मार्निक अधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा ली जाएगी जिनकी नियुक्ति पर विचार किए जाने की संभावना हो।

10. परीक्षा में पास हो जाने में नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद मन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा में/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

11. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपावृत्ता के बारे में आयोग का निर्णय अनियम होगा।

12. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिए जाएंगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमीशन) न हो।

13. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के अनुबंध 1 में निर्धारित फीस देनी होगी।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने —

- (i) किसी भी प्रकार में अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छव्वम् रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (viii) (xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है, तो उस पर आपागाधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे —
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए आयोग ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :

 - (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
 - (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नौकरी में बारित किया जा सकता है, और,

- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा जा सकती है।

15. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए उननी खाली जगहें आरक्षित की जाएंगी जितनी कि सरकार तथा करे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नांकित आदेशों में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक में है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां) भाग (ग) राज्य) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) भाग (ग) राज्य) आदेश, 1950 और संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (भाग (ग) राज्य) आदेश, 1951 जैसा कि बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956 द्वारा संशोधित हैं। संविधान (जमू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान अनुसूचित आदिम जाति (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दिल्ली) अनुसूचित जाति आदेश, 1968, संविधान (गोआ, दमन और दिल्ली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970।

16. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता-क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाया, और इस परीक्षा का परीणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो। उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए सिफारिश की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य माने गए हों।

परन्तु यदि मामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए सिफारिश किए जा सकें, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवा/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

17. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाकल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगी और आयोग उनमें परीक्षाकल के बारे में कोई पत्र-घ्यवहार नहीं करेगा।

18. परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर उचित ध्यान दिया जा सकेगा (आवेदन-पत्र का स्तम्भ 24 देखिए)।

19. नियुक्तियां दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जाएंगी यदि आवश्यक समझा गया तो परिवीक्षा-अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

20. उम्मीदवार को सहायक-प्रेड में उनकी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर कम से कम 30 शब्द प्रतिमिन्ट की गति से अंग्रेजी टाइपिंग या 25 शब्द प्रति मिन्ट की गति में हिन्दी टाइपिंग परीक्षा पास करनी होगी यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास न कर सकें तो वे सहायक ग्रेड में आगे बेतन वृद्धि पाने के तब तक हकदार नहीं होंगे जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास न कर लें या उन्हें कि सी विशेष या सामान्य आदेश के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से छूट न दी जाए और परीक्षा पास कर लेने पर या उससे छूट मिल जाने पर उनका बेतन यह मानकर फिर से छस प्रकार नियत किया जाएगा कि उनकी बेतन-वृद्धि रोकी ही नहीं थी, परन्तु जितनी अवधि के लिए बेतन-वृद्धि रोकी ही नहीं थी उस अवधि का बकाया बेतन उन्हें नहीं दिया जाएगा।

21. केन्द्रीय सचिवालय सेवा, भारतीय विदेश सेवा (ख), रेलवे बोर्ड मचिवालय सेवा, भाशास्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सहायकों और भारत के चुनाव आयोग तथा पर्यटन विभाग में सहायकों के पदों की सेवा की शर्त परिषिः-ट-III में संधर्षण में भी गई है।

ॐ वीर नायर,
भवर सचिव।

परिशिष्ट-1

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची (देखिए नियम 6)

भारतीय विश्वविद्यालय :

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के अधिनियम से नियमित किया गया हो या अन्य शिक्षा संस्थाएं, जिन्हें संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया हो, अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालयों के स्वयं में मान्य घोषित किया गया हो।

वर्षा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय
मांडले विश्वविद्यालय

इंगलैंड और वेल्स के विश्वविद्यालय

बर्मिंघम, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन,
मैन्चेस्टर आक्सफोर्ड, रीडिंग शोफील्ड और वेल्स के विश्व-
विद्यालय

स्कॉटलैंड के विश्वविद्यालय

एबरडीन, प्रिंसिपल, ग्लासगो और सेन्ट एड्युकेशन विश्वविद्यालय।

आयरलैंड के विश्वविद्यालय

डब्लिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज), नेशनल यूनिवर्सिटी आफ आयरलैंड, दि ब्यूनियन यूनिवर्सिटी बैलफार्स्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय, सिध विश्वविद्यालय।

बंगला वेश के विश्वविद्यालय

ঢাকা বিশ্ববিদ্যালয়, রাজশাহী বিশ্ববিদ্যালয়।

नेपाल के विश्वविद्यालय

निभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।

परिशिष्ट—II

परीक्षा के विषय, परीक्षा के निये दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1. निबन्ध	100	2 घन्टे
2. सामान्य अंग्रेजी	200	3 घन्टे
3. अंकगणित	100	2 घन्टे
4. सामान्य ज्ञान, जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है।	100	2 घन्टे

2. परीक्षा का पाठ्य विवरण साथ लगी अनुसूची में दिया गया है।

3. उम्मीदवार प्रश्न पत्र 1 या प्रश्न पत्र 3 या प्रश्न पत्र 4 अथवा तीनों प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अंग्रेजी में दे सकते हैं। प्रश्न पत्र 2 का उत्तर सभी उम्मीदवारों को अंग्रेजी में ही देना पड़ेगा।

परन्तु प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही तैयार किए जाएंगे। फिर भी, निबन्ध के प्रश्न पत्र में निबन्धों के अंग्रेजी शीर्षकों का हिन्दी रूपान्तर भी दिया जाएगा।

नोट:—यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र के लिये होगा, उसी प्रश्न पत्र के विभिन्न प्रश्नों के लिये नहीं।

नोट 2:—उक्त प्रश्न पत्रों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प चाहने वाले उम्मीदवारों को अपने इस इरादे का उल्लेख आवेदन पत्र के कालम 8 में स्पष्ट रूप से करना चाहिये, नहीं तो यह समझा जाएगा कि वे सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही देंगे।

एक बार लिया गया विकल्प अंतिम माना जायगा और उक्त कालम में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की उहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

6. केवल गतही ज्ञान लिये के अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. खगोल लिखाई के कारण लिखित विषयों के पूर्णांकों में से 5 प्रतिशत अंक काट लिये जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में, क्रसबद्ध, प्रभावपूर्ण ढंग से श्रीमं ठीक ठीक की गई भावाभिमुखित को विशेष महत्व दिया जाएगा।

९ उम्मीदवारों से मुद्रा, तौल, और माप की मीट्रिक प्रणाली से परिचित होने की आशा की जाती है। प्रश्न पत्रों में यथा आवश्यक मुद्रा, तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

अनुसूची

परीक्षा का पाठ्य विवरण

१. निबन्धः दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा।

२. सामान्य अभ्यर्थी :

(i) सार-लेखन और समीक्षा लेखन :— अंग्रेजी समझने और लिखने की शक्ति की परीक्षा करने के लिये प्रश्न पूछे जाएंगे। आमतौर पर, संक्षेप या सार लिखने के लिये अवतरण (पैसेज़) दिये जाएंगे। उम्मीदवारों को कुछ सामग्री दी जाएगी और उन्हें सामग्री का समुचित उपयोग करते हुए, पत्रों, ज्ञापनों आदि के मसौदे तैयार करने को भी कहा जाएगा।

(ii) पर्यायों, विलोमों, शब्दों तथा पदों के मुहावरेदार प्रयोग और सामान्य मूलों के बारे में प्रश्न पूछे जाएंगे।

(iii) शब्द-भेद (पार्ट्स आफ स्पीच), वाक्य-विश्लेषण वाक्य रचना तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कथन (डायरेक्ट और इनडायरेक्ट स्पीच)।

नोटः प्रश्न पत्र २ में सार लेखन के लिये ७५ अंक, समौदाय लेखन के लिये ७५ अंक और व्याकरण, मुहावरों आदि के लिये ५० अंक होंगे।

प्रश्न पत्र १ और २ का उद्देश्य उम्मीदवारों की शुद्ध भाषा लिखने की योग्यता की परीक्षा करना है। वाक्य-विन्यास तथा योजना, सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा के व्यावहारिक प्रयोग पर ध्यान दिया जाएगा।

३. अङ्कगणित

दशमलव भिन्नों का सरलीकरण/अनुपात तथा समानुपात, प्रतिशतता, औसत, लाभ और हानि, साधारण और चक्रवृद्धि व्याज। समय तथा दरी, समय और काम, आंकड़ों के लेखाचिक्रीय निरूपण, रेखिक ग्राफों के पहने और आंकड़ों के सारणीकरण के प्रश्न।

बुद्धिमता, यथात्थ्यता और काम को तेजी से करने की योग्यता जांच करने के लिये प्रश्न पूछ जाएंगे।

टिप्पणीः—प्रश्न पत्र में जब तक अन्यथा निर्धारित नहीं किया जाय तब तक उम्मीदवार प्रश्न पत्रों को सख्त करने में वीजगणित की रीति का प्रयोग कर सकते हैं।

४. सामान्य ज्ञान, जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है।

सामयिक घटनाओं का ज्ञान और जो कुछ हम प्रति दिन देखते और अनुभव करते हैं उनके वैज्ञानिक पक्षों का ज्ञान, जो एक ऐसे साधारण पढ़े लिखे आदमी को होना चाहिये जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो इस प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रश्न पत्र में भारतीय इतिहास से संबंधित ऐसे प्रश्न भी पूछे जाएंगे जिसका उत्तर उम्मीदवार बिना किसी विशेष अध्ययन के ही दे सकते हैं।

परिशिष्ट III

उन सेवाओं/पर्यायों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिये इस परीक्षा के द्वारा भर्ती की जा रही है।

१. (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा

केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे लिखे चार ग्रेड हैं:—

(1) चयन (सेलेक्शन) ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)

रु 1500-60-1800-100-2000

(2) ग्रेड I (प्रवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)

रु 1200-50-1600 —

(3) अनुभाग अधिकारी ग्रेड-रु 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200।

(4) सहायक ग्रेड : रु 425-15-500-द० रो० 15-650-20-700-द० रो० 25-800।

नोट-1: जो सहायक, अनुभाग अधिकारियों के पद पर पदोन्नति किये जाते हैं, उन्हें कम से कम 710 रु प्रति मास वेतन दिया जाएगा।

२. सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा। इस परिवीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परिवीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सकते तो उसे सेवा से मुक्त किया जा सकेगा।

३. परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे और बद्दा सकती है।

४. केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी एक मन्त्रालय या कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि उन्हें किसी भी समय ऐसे किसी एक मन्त्रालय या कार्यालय में स्थानान्तरण किया जा सकता है।

५. सहायक इस मंबन्ध में समय समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ऊचे ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।

६. जिन व्यक्तियों को उनके अपने ही विकल्प के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त किया गया हो वे अपनी इस नियुक्ति के बाद भारतीय विदेश सेवा (ख) या रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा योजना के संवर्ग (केडर) के किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे।

(II) भारतीय विदेश सेवा आयोग

विदेश मन्त्रालय में और विदेशों में स्थित भारतीय गजनयिक कांसुलर और वाणिज्यिक दूतावासों व केन्द्रों में सहायकों के सभी पद तथा विदेश व्यापार मन्त्रालय में सहायकों के कुछ पद भारतीय पद भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड ४ में सम्मिलित

है। ग्रेड 4 के नीचे के ग्रेडों को स्टोडकर भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के विभिन्न ग्रेड नियमनिखित हैं :—

ग्रेड	पद	बेतनमान
ग्रेड-I	मुख्यालय में अवर सचिव, विदेशों में स्थित मिशनों और पदों पर प्रथम और त्रितीय सचिव।	रु 1200-50-1600
एकीकृत ग्रेड-II और III	मुख्यालयों में महाचारी (अनाधी) और अनुसारग अधिकारी विदेशों में स्थित मिशनों और मुख्यालयों में उप-कांसुल और गजिस्ट्रार	रु 650-30-740-35-810-880-40-1000-1200
ग्रेड-IV	मुख्यालय में तथा विदेशों में स्थित मिशनों और पदों पर सहायक।	रु 425-15-500-द० रो० 15-560-20-700-द० रो० 25-800

टिप्पणी: एकीकृत ग्रेड-II और III में पदोन्नत सहायकों को कम से कम 710/- रुपये मासिक बेतन दिया जाता है।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग ग्रेड-IV (सहायक) के लिये चुने गए उम्मीदवारों को प्रारम्भ में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्त किया जाएगा। फिर भी, वे अन्यथा पाव्र होने पर अपनी बारी में, भारतीय विदेश सेवा (ख) भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति नियम 1964 के अनुसार स्थायी किए जाएंगे, किन्तु यह अभिस्थायी रिक्त स्थानों की उपलब्धि पर निर्भर होगा। उम्मीदवारों की ग्रेड IV में नियुक्ति सामान्य तथा संघ लोक सेवा प्रायोग द्वारा निर्धारित क्रमानुसार की जाएगी। यदि विदेश सेवा में योग्य नहीं पाए जाने पर उन्हें अस्वीकार न किया गया हो।

3. भारतीय विदेश सेवा (ख) में सामान्य संवर्ग के ग्रेड-IV में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने होंगे और ऐसी परीक्षाएं पास करनी होंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित की गई हों। प्रशिक्षण के दौरान संतोषजनक प्रगति न करने अथवा परीक्षाएं पास न करने के कलन्दित परिवीक्षाधीन को नौकरी से निकाला जा सकता है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय सचिवालय सेवा और रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा संवर्ग में शामिल पदों पर नियुक्त किए जाने का अधिकार नहीं होगा। इसके अतिरिक्त ऐसे भी व्यक्ति जिन्हें भारत अथवा विदेश में किसी पद पर नियुक्त किया जाए, सेवा करने को बाध्य होंगे।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सदस्य जब भारत में सेवारत हों तो उन्हें अपने मूल बेतन के अतिरिक्त ऐसे भत्ते भी मिलेंगे जो अन्य केन्द्रीय मरकार के समान पद धारण करने वाले कर्मचारियों

को मिलते हैं। जब ये अधिकारी विदेश में नियुक्त किए जाते हैं तो कुछ रियायतें पाने के लकड़ार होंगे जैसे उनके लाभ के लिये सरकार द्वारा समय पर निर्धारित वे तनामान के अनुसार विवेश भत्ता, निःशुल्क फर्नीचर युक्त निवास स्थान, बच्चों का शिक्षण भत्ता, सज्जा भत्ता और उनके तथा उनके परिवार इत्यादि के लिये यात्रा भाड़ा इत्यादि किया जाता है। ये रियायतें ऐसे सामान्य निर्णयों के अनुसार जो कि सरकार लेती है वापस ली जा सकती है, संशोधित की जाती है अथवा बदाई जा सकती है।

6. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त सभी अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा ख) (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम 1964 के अधीन और अन्य ऐसे नियमों विनियमों के अधीन होंगे जो सेवा पर लागू होने के लिये सरकार भविष्य में बनाए।

7. भारतीय विदेश सेवा के सामान्य संवर्ग (सहायक) के ग्रेड-IV में नियुक्त व्यक्ति, भारतीय विदेश सेवा (शाखा ख) (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1964 में समाविष्ट उपबंधों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति पाने के पात्र होंगे।

नोट:—भारतीय विदेश सेवा (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1961 के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-I के अधिकारियों का भारतीय विदेश सेवा (क) के वरिष्ठ बेतनमान में पदोन्नति के लिये रु 1200-छठा वर्ष अथवा उससे कम-50-1300-60-1600-द० रो० 60-1900-100-2000 बेतनमान में सीमित कोटा उपलब्ध है।

(III) रेलवे बोर्ड सचिवालय

(क) जहां सक भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति आदि का संबंध है, रेलवे मन्त्रालय में नियुक्त कर्मचारियों की सेवा की शर्त रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियम, 1969 द्वारा नियमित होती है, जो मोटे तौर पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम 1962 के भमान ही है।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में नीचे लिखे ग्रेड शामिल हैं :—

(i) चयन ग्रेड—संयुक्त निदेशक/उप-सचिव रेलवे बोर्ड के ग्रेड रु 1500-60-1800-100-2000 के ऐसे पद जो रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारियों द्वारा समय पर धारण किए जाते हैं। रु 900-50-1250 सथा साथ में विशेष बेतन 200 रु मासिक। इस ग्रेड के संशोधित बेतन-मान अभी विचाराधीन है और संशोधित बेतन-मान, जैसा कि सरकार द्वारा नियम किया जाएगा लागू किए जाएंगे।

(ii) (क) उपनिदेशकों का ग्रेड :—
उपनिदेशक रेलवे बोर्ड के ऐसे पद जो रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारियों द्वारा समय पर धारण किए जाते हैं। रु 900-50-1250 सथा साथ में विशेष बेतन 200 रु मासिक। इस ग्रेड के संशोधित बेतन-मान अभी विचाराधीन है और संशोधित बेतन-मान, जैसा कि सरकार द्वारा नियम किया जाएगा लागू किए जाएंगे।

(ख) ग्रेड-1:—सहायक निदेशक और अवधि सचिव
रु. 1200-50-1600

(iii) अनुभाग अधिकारी ग्रेड रु. 650-30-740-
35-810-द० रो०-35-880-40-1000द०- रो०-
40-1200

(iv) सहायक ग्रेड रु. 425-15-500-द० रो०-
15-560-20-700 द० रो० 25-800।

अनुभाग अधिकारियों और सहायकों के पदों पर सीधी भर्ती की जाती है। जो सहायक, अनुभाग अधिकारियों के पद पर पदोन्नत किए जाते हैं, उन्हें कम से कम 710 रु. प्रतिमास बेतन दिया जाता है।

(ग) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा रेलवे मंत्रालय तक हो सीमित है और इसके कर्मचारियों का स्थानान्तरण केन्द्रीय सचिवालय सेवा की भाँति अन्य मंत्रालयों को नहीं हो सकता है।

(घ) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएँ पास करनी होंगी। यदि प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएँ पास न कर सके तो उन्हें सेवा में मक्त कर दिया जाएगा।

(ङ) सहायक इस मन्त्रालय में समय समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुमान उच्चे ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।

(च) इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती किए गए रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारी:—

(i) पेंशन के लाभों के पात्र होंगे, और

(ii) जिम विन कार्य संभालें उभ तारीख को नियन्त्रित रेलवे कर्मचारियों पर लागू होने वाले गैर-अंगदायी राज्य तेल भविष्य निधि के नियमों के अन्तर्गत निधि में अधिदान करेंगे।

(छ) रेल मंत्रालय में नियन्त्रित कर्मचारियों को अन्य रेल कर्मचारियों के भासान हो पास और भुविधा टिकट आदेश (पी० टी० ओ०) की मुविधाएँ उपलब्ध हैं।

(ज) जहां तक छुट्टी और सेवा को अन्य गतों का मन्त्रालय है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों को रेलवे के अन्य अधिकारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु चिकित्सा मुविधाओं के मामले में इन पर वे ही नियम लागू होंगे जो केन्द्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होने हैं, जिनके मुख्यालय नहीं दिल्ली में है।

(IV) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा

सशस्त्र सेवा मुख्यालय मिविल सेवा में इस समय तीनों लिखे पांच ग्रेड हैं:—

ग्रेड	बेतनमान
(1) संयुक्त निदेशक (श्रेणी-I)	रु. 1500-60- 1800
(2) वरिष्ठ मिविल स्टाफ अफसर	रु. 1500-60- 1800
(श्रेणी-II)	
(3) सिविलियन स्टाफ अफसर	रु. 740-30-800- 50-1150
(4) सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी (श्रेणी II) राज-पत्रित	रु. 650-30-740- 35-810-द० रो०- 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200।
(5) सहायक श्रेणी II अराज-पत्रित	रु. 425-15-500- द० रो०-15-560- 20-700-द० रो०- 25-800।

(V) मिविलियन स्टाफ अफसर (श्रेणी-I) के ग्रेड के संशोधित बेतनमान अभी विचाराधीन है और संशोधित बेतनमान, जैसाकि सरकार द्वारा निर्णय किया जाएगा लागू किए जायेंगे।

टोट:—सहायक के ग्रेड के अधिकारी को सहायक मिविल स्टाफ अधिकारी के ग्रेड पर पदोन्नति होने पर सहायक मिविल स्टाफ अधिकारी के ग्रेड के बेतनमान में कम से कम 710-00 रु. का आरम्भिक बेतन दिया जायेगा।

(2) सहायकों के रूप में संधिभर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परिवीक्षा में रखा जाएगा। इस परिवीक्षा अवधि में उसको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएँ पास करनी होंगी। यदि परिवीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएँ पास न कर सके तो उसे सेवा में मुक्त किया जा सकेगा।

(3) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन को उसकी नियुक्ति पर पवका कर सकती है, या सरकार की गय में उसका कार्य या आचरण मंतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे, और बढ़ा सकती है।

- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय भिविल सेवा में भर्ती किए गए सहायकों का भेदवा मुख्यालय या सशस्त्र सेना मुख्यालय भिविल सेवा योजना में शामिल अल्टर सेवा मंगठनों में से किसी एक में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि, उन्हें किसी भी समय पर्से किसी मुख्यालय या कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा सकता है।
- (5) सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुमार ऊचे ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।
- (6) जो व्यक्ति सशस्त्र सेना मुख्यालय भिविल सेवा के सहायकों के एड में नियुक्त हो गए हैं उनका, ऐसी नियुक्ति के उपरान्त, इस सेवा में बाहर किसी पद पर नियुक्त अथवा स्थानान्तरण के लिये कोई अधिकार नहीं होगा;

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 अक्टूबर 1974

संकल्प

सं. ई०-13011/4/74-ग० भा० (क-2)—गृह मंत्रालय के तारीख 9 अगस्त, 1972 के संकल्प संख्या 8/6/71-हि०-2 के अधीन पुनर्गठित हिन्दी सभाहकार समिति में स्वर्गीय सेठ गोविन्द दास, संसद सदस्य, की जगह पर श्री विद्याधर बाजपेयी, संसद सदस्य को समिति के सदस्य के रूप में भारत सरकार महर्ष नियुक्त करती है।

2. भारत सरकार ने यह भी निर्णय किया है कि शिक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष भी उक्त समिति के सदस्य हों।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ शाखियों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, राष्ट्रपति के मंत्रिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री के मंत्रिवालय, योजना आयोग, नियन्त्रक व महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार, नई दिल्ली, लोक सभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाय।

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi, the 2nd November 1974
Rules

No. 6/35/74-C/I.—The Rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1975 for the purpose of filling vacancies in the following Services/posts are published for general information:—

- (i) Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the Indian Foreign Service (B);
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service;
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service;

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्व साधारण के मूल्यांकन भाग्यते के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

महेश चन्द्र मिश्र, संयुक्त सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

(निर्यात उत्पादन तथा आन्तरिक व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1974

सं. 4(1)/73-ई० पी० जे० ड०—केन्द्रीय सरकार श्री जे० आर० हीरेमथ, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) को, श्री जे० एस० द्वैजल के स्थान पर मानाकूज एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जॉन बोर्ड के एक सदस्य के रूप में एतद्वाग नियुक्त करती हैं और भारत सरकार के (भून्यूर्ब) विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. 16/2/73-टी० ए० ई० पी० दिनांक 20-1-1973 में और आगे निम्नोक्त संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, क्रमांक 5 के सामने दी गई प्रविधिट के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि की जाए, अर्थात्:—

“5. श्री जे० आर० हीरेमथ,
संयुक्त सचिव,
वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग)”

यू० आर० कुरलेकर, उप-निदेशक

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1974

सं. 10-2/74-फेट—श्री धरनीधर दास वसुमतारी, डा० लक्ष्मीनारायण पाण्डेय, श्री संत बरुआ सिंह और श्री के० सुर्यनारायण, संसद सदस्य कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के 9 मित्तम्बर, 1966 के आज तक संशोधित संकल्प सं. एफ० 10-1/65-फेट के अनुसरण में 7 अगस्त, 1974 से 3 वर्ष की अवधि के लिए खाद्य तथा कृषि संगठन की राष्ट्रीय सम्पर्क समिति के सदस्य छुने गये हैं।

अबू हाफिम, निदेशक (विदेश सहायता)

(iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service; and

(v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service.

A candidate may compete in respect of any one or more of the Services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered.

N.B.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a

request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 30th November 1975.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

4. No candidate who does not belong to a Schedule Caste or a Schedule Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall be permitted to compete more than two times at the examination. This restriction is effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 2.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st January, 1975 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1950 and not later than 1st January, 1955.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person, from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of five years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda or the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar).
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (x) up to maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years, if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu.
- (xiii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xiv) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS
PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

6. A Candidate must hold a degree of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

NOTE I.—In exceptional cases, the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the above qualifications, as educationally qualified provided that he has passed an examination conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE II.—Candidates who are otherwise eligible but who have taken degree from foreign universities which are not included in Appendix I may also apply and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or,
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the examination.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the

efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

10. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/post.

11. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specific period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

15. Reservation shall be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950 the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1952 the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitu-

tition (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination:

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various Services/posts, (of col. 26—of the application form).

19. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended, if considered necessary.

20. Candidates will be required to pass a test in typewriting at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi within a period of two years from the date of appointment to the Assistants' Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed periods they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistants' Grade until they pass such test or are exempted from this requirement under a special or general order; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be refixed as if their increments had not been withheld, but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

21. Conditions of Service for Assistants in the Central Secretarial Service, Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, and the Armed Forces Headquarters Civil Service, are briefly stated in Appendix III.

K. B. NAIR,
Deputy Secretary

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India
(*Vide Rule 6*)

Indian Universities

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

Universities in Burma

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

English and Welsh Universities

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

Scottish Universities

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

Irish Universities

The University of Dublin (Trinity College), The National University of Ireland, The Queen's University, Belfast.

Universities in Pakistan

The University of Punjab, The University of Sind.

Universities in Bangladesh

The Dacca University.

The Rajshahi University.

University in Nepal

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (*Vide Rule 6*)

1. Alankar degree of Gurukul Vishwa Vidyalaya, Kangri, Hardwar.
2. Shastri of Kashi Vidyapith, Varanasi.
3. French Examination "Propedeutique."
4. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
5. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
6. Diploma in Commerce of All India Council for Technical Education.
7. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education, recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.
8. Diploma in Mining Engineering of the Indian School of Mines, Dhanbad.
9. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full" student.
10. Shastri (with English) or Old Shastri or Sampurna Shastri examination with special examination in additional subjects with English as one of the subjects, i.e. Varishta Shastri of Varanaseya Sanskrit Viswa Vidyalaya, Varanasi.
11. Diploma in the field of Humanities and Natural Sciences attesting graduation from a Higher Educational Establishment in the U.S.S.R. without defending first scientific thesis but having passed the State Examinations.
12. Bachelor of Arts (B.A.) and the Bachelor of Science (B.S.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut, Lebanon.

APPENDIX II

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

		Max. Marks	Time Allowed
1. Essay	100	2 hours	
2. General English	200	3 hours	
3. Arithmetic	100	2 hours	
4. General Knowledge including Geography of India	100	2 hours	

2. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

3. Candidates are allowed the option to answer Paper 1 or Paper 3 or Paper 4 or all the three papers, either in Hindi (Devanagari) or in English. Paper 2 must be answered in

English by all candidates. Question papers will, however, be set in English only. However, the question paper in Essay will also contain Hindi version of the English captions of essays.

NOTE 1.—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

NOTE 2.—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid paper(s) in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in col. 8 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer all the paper(s) in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration in the said column shall be entertained.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of Coins, Weights and Measures. In the question paper, wherever necessary, questions involving the use of metric system of Coins, Weights and Measures may be set.

SCHEDULE**SYLLABUS OF THE EXAMINATION**

(1) Essay : An essay to be written on one of the several specified subjects.

(2) General English :

(i) Precis writing and drafting. Questions to test their understanding and power to write English. Passages will usually be set for summary or precis. Candidates will also be required to draft letters, memoranda, etc., making an intelligent use of given matter.

(ii) Questions on synonyms antonyms, idiomatic use of words and phrases and common errors.

(iii) Parts of speech, analysis, syntax and direct and indirect speech.

Note.—In paper 2, questions on precis writing will carry 75 marks, drafting 75 marks and those on grammar, idioms etc. 50 marks

The object of papers 1 and 2 is to test the candidates' ability to write the language correctly. Account will be taken of arrangements, general, expression and workmanlike use of the language.

(3) Arithmetic :

Simplifications involving decimal fractions. Ratios and Proportion, Percentages, Averages, Profits and Loss, Simple and Compound Interest. Problems involving Time and Distance, Time and Work, Graphical representation of Data, Reading of Linear Graphs and Tabulation of Data.

The questions will be designed to test intelligence, accuracy and rapidity in working.

NOTE.—Candidates may also use algebraic methods for solving questions, unless it is specified otherwise in the question paper.

(4) General Knowledge including Geography of India : Knowledge of current events and of such matters of

every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature which candidates should be able to answer without special study.

APPENDIX III

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination.

1. (i) Central Secretariat Service.

The Central Secretariat Service has at present four grades as follows :—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent)—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (2) Grade I (Under Secretary or equivalent)—Rs. 1200—50—1600.
- (3) Section Officers' Grade—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.
- (4) Assistants' Grade—Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

NOTE.—Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum pay of Rs. 710 p.m.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants' Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their option for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post included in the cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service Scheme.

(ii) Indian Foreign Service (B).

All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular and Commercial Missions and Posts abroad, and a few posts of Assistants in the Ministry of Foreign Trade, are included in Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of the Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV are as follows :—

Grade	Designation	Scale of pay
Grade I	Under Secretaries at Hqrs. First and Second Secretaries in Missions and Posts abroad.	Rs. 1200—50—1600.

Integrated	Officers and Section Officers at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions and Posts abroad.	Rs. 1. S. C. (-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200.
Grade IV	Assistants at Hqrs. and in Missions and Posts abroad.	Rs. 425-15-500-E.B.-15-560-20-700-E.B.-25-800.

NOTE.—Assistants promoted to the Integrated Grade II and III are allowed a minimum pay of Rs. 710/- p.m.

3. Candidates selected for Grade IV (Assistants) of the General Cadre of the IFS(B) will be appointed initially against temporary vacancies. They will, however, be confirmed, if otherwise eligible in their turn in accordance with the Indian Foreign Service 'B' (Recruitment, Cadre Seniority and Promotion) Rules, 1964, depending on the availability of substantive vacancies. Appointment to Grade IV, will normally be made in the order of ranks assigned to the candidates by the Union Public Service Commission subject to the rejection of those not found suitable for service abroad.

3. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from Service.

4. Persons appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to posts included in the Cadre of the Central Secretariat Service, and the Railway Board Secretariat Service. Further, all such persons will be liable to serve in any post either in India or abroad to which they may be posted.

5. While employed in India, members of the Indian Foreign Service (B) are allowed such allowances in addition to their basic pay as may be admissible to other Central Government employees holding similar posts. When posted abroad, these officers are eligible for the grant of certain concessions such as foreign allowance, free furnished residential accommodation, children's education allowance, outfit allowance and passages for themselves and for their families, etc., according to the scales laid down for these benefits by the Government from time to time. These concessions are liable to be withdrawn, modified or enhanced in accordance with such general decisions as the Government may take.

6. All Officers appointed to the I.F.S. (B) will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also by other rules and Regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the Service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the I.F.S. (B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B), (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

Note.—In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1961, a limited quota is available to officers in Grade I of the Senior Indian Foreign Service (B) for promotion to the Senior scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of Rs. 1200—Sixth year or under 50-1300-60-1600-EB-60-1900-Rs. 100-2000.

(iii) Railway Board Secretariat Service

(a) The service conditions of staff employed in the Ministry of Railways so far as Recruitment Training, Promotion etc. are concerned are regulated by the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969, which are broadly similar to the Central Secretariat Service Rules, 1962.

(b) The Railway Board Service consists of the following grades :

(i) Selection Grade : such posts in the grade of Joint Directors/Dy. Secretary Railway Board as may from time to time be held by officers of the Railway Board Secretariat Service Rs. 1500-60-1800-100-2000.

(ii) (a) Dy. Directors Grade : Such posts of Dy. Directors, Railway Board as may from time to time be held by Officers of the Railway Board Secretariat Service Rs. 900-50-1250 plus special pay of Rs. 200/-p.m.

The revised scale of pay of this Grade is still under consideration and the revised scale as may be decided by the Government will be applicable.

(b) Grade I : Assistant Directors & Under Secretaries Rs. 1200-50-1600.

(iii) Section Officers Grade Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200.

(iv) Assistants Grade Rs. 425-15-500—EB-15-560-20-700—EB-25-800.

Direct recruitment is made to the posts of Section Officers and Assistants. Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum pay of Rs. 710/- p.m.

(c) The Railway Board's Secretariat Service is confined to the Ministry of Railways and the staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Service.

(d) Officers recruited direct as Assistants will have to undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge from the service.

(e) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(f) Officers of the Railway Board Secretariat Service recruited under these rules;

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the Rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(g) The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to the other Railway Staff.

(h) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board's Secretariat Service are treated in the same way as other Railway Officers but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iv) The Armed Forces Headquarters Civil Service.

The Armed Forces Headquarters Civil Service has at present five grades as follows :—

Grade	Scale of pay
(1) Joint Director (Class I) .. .	Rs. 1500-60-1800.
(2) Senior Civilian Staff Officer (Class I)	Rs. 1500-60-1800.
(3) *Civilian Staff Officer (Class I) .. .	Rs. 740-30-800-50-1150.
(4) Assistant Civilian Staff Officer (Class II-Gazetted) .. .	Rs. 650-30-740-35-E. B. 35-880-40-1000-E.B.-40-1200.
(5) Assistant (Class II—Non-gazetted)	Rs. 425-15-500-E.B. 15-560-20-700-E.B.-25-800.

*The revised scale of pay for the grade of Civilian Staff Officer (Class I), is still under consideration and the revised scale as may be decided by the Govt. will be applicable.

Note.—An officer of the Grade of Assistant promoted to the Grade of Assistant Civilian Staff Officer shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 710 in the scale for the Grade of Assistant Civilian Staff Officer.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter-Service Organisations participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistant's Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment appointment have any claim for transfer or appointment

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 8th October 1974

RESOLUTION

No. E. 13011/4/74-OL(A-2).—The Government of India have been pleased to appoint in place of Late Seth Govind Das, Member of Parliament, Shri Vidyasagar Bajpai, Member of Parliament, as member of the Hindi Sahakar Samiti, reconstituted under this Ministry's Resolution No. 8/6/71-Hindi-2, dated 9th August, 1972.

2. The Government of India have also decided that the Chairman, Standing Commission for Scientific and Technical Terminology Ministry of Education, should also be a Member of the said Committee.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories, all the Ministries and Departments of the Government of India, President's Secretariat, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General, Accountant General, Central Revenues, New Delhi, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. C. MISRA, Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF E.P. AND I.T.)

New Delhi, the 11th October 1974

No. 4(1)/73-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri J. R. Hiranath, Joint Secretary, Ministry of Finance (DEA), as a member of the Santa Cruz Export Processing Zone Board vice Shri J. S. Baijal, and makes the following further amendment in the Government of India, (formerly)

Ministry of Foreign Trade Notification No. 16/2/73-TAEP
dated the 20-1-1973, namely :—

In the said notification, for the entry against serial number 5 of the following shall be substituted namely :—

"5. Shri J. R. Hiremath,

Joint Secretary,

Ministry of Finance (DEA).

U. R. KURLEKAR, Dy. Director

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 9th October 1974

No. 10-2/74-FAIT.—Shri Dharmidhar Das Basumatari, Dr. Laxmikarayan Pandey, Shri Sant Bux Singh and Shri K. Suryanarayana, Members of the Lok Sabha have been elected to serve as members of the National Liaison Committee of the Food and Agriculture Organization (FAO) in pursuance of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) Resolution No. F. 10-1/65-FAIT dated the 9th September, 1966 as amended to date, for a period of three years from 7th August, 1974.

ABU HAKIM, Director (Foreign Aid)

